O. P. JINDAL SCHOOL, SAVITRI NAGAR

Periodic Test 1(Round-1) (2026 – 27)

Class : XII **MM: 20**

Subject: Hindi **Time: 1 :00 Hr**

Name: .---------- Roll No.:_____

सामान्य निर्देशः सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है |

प्र01 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – (5)

राष्ट्रीय भावना के अभ्युदय एवं विकास के लिए भाषा भी एक प्रमुख तत्त्व है। मानव-समुदाय अपनी संवेदनाओं, भावनाओं एवं विचारों की अभिव्यक्ति हेतु भाषा का साधन अपरिहार्यतः अपनाता है. इसके अतिरिक्त उसके पास कोई अन्य विकल्प नहीं है। दिव्य-ईश्वरीय आनंदानुभूति के संबंध में भले ही कबीर ने 'गूंगे केरी शर्करा' उक्ति का प्रयोग किया था, पर इससे उनका लक्ष्य शब्द-रूप भाषा के महत्त्व को नकारना नहीं था। प्रत्युत उन्होंने भाषा को 'बहता नीर' कहकर भाषा की गरिमा प्रतिपादित की थी। विद्वानों की मान्यता है कि भाषा तत्त्व राष्ट्रहित के लिए आवश्यक है। जिस प्रकार किसी एक राष्ट्र के भूभाग की भौगोलिक विविधताएँ तथा उसके पर्वत, सागर, सरिताओं आदि की बाधाएँ उस राष्ट्र के निवासियों के परस्पर मिलने-जुलने में अवरोधक सिद्ध हो सकती हैं, उसी प्रकार भाषागत विभिन्नता से भी उनके पारस्परिक संबंधों में निर्बाधता नहीं रह पाती। आधुनिक विज्ञान-युग में यातायात एवं संचार के साधनों की प्रगति से भौगोलिक बाधाएँ अब पहले की तरह बाधित नहीं करतीं। इसी प्रकार यदि राष्ट्र की एक संपर्क भाषा का विकास हो जाए, तो पारस्परिक संबंधों के गतिरोध बहुत सीमा तक समाप्त हो सकते हैं। मानव-समुदाय को एक जीवित जाग्रत एवं जीवंत शरीर की संज्ञा दी जा सकती है और उसका अपना एक निश्चित व्यक्तित्व होता है।

भाषा अभिव्यक्ति के माध्यम से इस व्यक्तित्व को साकार करती है, उसके अमूर्त मानसिक वैचारिक स्वरूप को मूर्त एवं बिंबात्मक रूप प्रदान करती है। मनुष्यों के विविध समुदाय हैं, उनकी विविध भावनाएँ हैं, विचारधाराएँ हैं, संकल्प एवं आदर्श हैं, उन्हें भाषा ही अभिव्यक्त करने में सक्षम होती है। साहित्य, शस्त्र, गीत-संगीत आदि में मानव-समुदाय अपने आदर्शों, संकल्पनाओं, अवधारणाओं एवं विशिष्टताओं को वाणी देता है, पर क्या भाषा के अभाव में काव्य, साहित्य, संगीत आदि का अस्तित्व संभव है ? वस्तुतः ज्ञानराशि एवं भावराशि का अपार संचित कोश जिसे साहित्य का अभिधान दिया जाता है, शब्द रूप ही तो है। अतः इस संबंध में वैमत्स की किंचित् गुंजाइश नहीं है कि भाषा ही एक ऐसा साधन है, जिससे मनुष्य एक-दूसरे के निकट आ सकते हैं, उनमें परस्पर घनिष्ठता स्थापित हो सकती है। यही कारण है कि एक भाषा बोलने एवं समझने वाले लोग परस्पर एकानुभूति रखते हैं, उनके विचारों में ऐक्य रहता है। अतः राष्ट्रीय भावना के विकास के लिए भाषा तत्त्व परम आवश्यक है।

(क) गद्यांश के अनुसार, भाव एवं विचार-विनिमय का सक्षम साधन किसे माना गया है? (1)

(i) काव्य एवं साहित्य को (ii) ललित कलाओं को

(ii) शब्द रूपी भाषा को (iv) प्रतीक एवं संकेत को

(ख) राष्ट्रीय भावना के विकास के लिए भाषा तत्त्व को आवश्यक क्यों माना है, क्योंकि (1)

1. वह ज्ञानराशि का अपार भंडार है।

2. वह शब्द रूप है और उसमें साहित्य सर्जना सम्भव है।

3. वह मानव समुदाय की विचाराभिव्यक्ति का साधन है।

4. वह मानव समुदाय में एकानुभूति और विचार का साधन है।

कूट

(i) कथन 1 व 2 (ii) केवल कथन 4

(iii) केवल कथन 3 (iv) कथन 2 व 3

(ग) प्रस्तुत गद्यांश किस विषय-वस्तु पर आधारित है ? (1)

(i) भाषा बहता नीर (ii) साहित्य भाषा

(iii) राष्ट्रीयता और भाषा तत्त्व (iv) राष्ट्र का विकास

(घ) मनुष्य को परस्पर जोड़ने का कार्य कौन करता है? (2)

प्र02 नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

क) बच्चे किस बात की आशा से नीड़ों से झाँक रहे होंगे ? (2)

ख) ''जहाँ पर दाना रहते है, वहीं नादान भी होते हैं'' कवि ने ऐसा क्यों कहा होगा ? (3)

अथवा

कवि सुख और दुख दोनों स्थितियों में कैसे प्रसन्न रह पाता है ? 'आत्मपरिचय' कविता के आधार पर बताइए।

प्र03 नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

क) भक्तिन अपना वास्तविक नाम लोगों से क्यों छुपाती थी ? भक्तिन को यह नाम किसने और क्यों दिया होगा ? (3)

ख) भक्तिन लेखिका के घर नौकरी करने क्यों आ गई ? 'भक्तिन' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। (2)

अथवा

भक्तिन की विमाता ने पिता की बीमारी का समाचार देर से क्यों भेजा ?

प्र04 नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

क) इंटरनेट पत्रकारिता से आप क्या समझते हैं ? स्पष्ट कीजिए। (3)

ख) मुद्रित माध्यमों की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। (2)

अथवा

टेलीविजन की दो कमियाँ लिखिए।

-------000-------